इकाईयों के अनुसार व्यवसायिक चिकित्साएँ	वर्ष		
	2016-17	2017-18	2018-19
गतिविधि चिकित्सा (समान्य एवं हस्त)	14212	14754	12483
बाल व्यवसायिक चिकित्सा (एनडीटी एवं एसआइ)	9830	10998	14305
दैनिक जीवन के गतिविधियों मे प्रशिक्षण	9141	8150	7911
हस्त स्पिलिन्ट/ सहायक उपकरण	80	76	72
फ्लुइडो चिकित्सा	316	196	168
विशेषीकृत हस्त जाँच	79	70	64
मैनुवल व्हील चेयर कौशल प्रशिक्षण	2369	2264	2612
सामुहिक चिकित्सा	101	153	156
मनोरंजनात्मक चिकित्सा	1616	2488	2364
कंटिनिवस पैसिव मोशन'(लोअर लिंब)	118	13	243
अंत: रोगीजन के लिए पार्श्व थेरपी (आरएसयू, आरडब्लू, केबिंस एण्ड एससीआई वार्ड्स	8166	3618	3028
कुल	46057	42780	43406

दिव्यांग बच्चों के दैनिक जीविका प्रशिक्षण की गतिविधियाँ

बीओटी के विद्यार्थियों का समूह में प्रयोगात्मक प्रशिक्षण

एमओटी के विद्यार्थियो (एमओटी–ऑर्थो) द्वारा शोध निबंधः

- इफेक्ट ऑफ आर्म क्रैकिंग ऐक्टिविटी एलांग विद विलचेयर स्कील ट्रेनिंग ऑन विलचेयर मोबिलटी एमोंग विलचेयर डिपेन्डन्ट पेरप्लीजिक।

- इफेक्ट ऑफ ईएमजी बॉयोफिडबैक ट्रेनिंग एण्ड मिरर थेरेपी ऑन फंक्शनल रिकवरी ऑफ हैन्ड इन स्ट्रोक सरवाइवर्सः तुलनात्मक अध्ययन।

- इफेक्ट ऑफ प्रॉप्रियोसेप्टीव ट्रेनिंग ऑन फंक्शनल स्टेटस एण्ड एडीएल इन पेसेंट विद नी आस्टीओआर्थ्राइटस (ओए) वियरिंग एलास्टिक बेंडेजेज।

संस्थान में व्यावसयिक चिकित्सा विभाग द्वारा एक व्यावसयिक चिकित्सा में स्नातक (अवधि 4 एवं½ वर्ष) एवं एक व्यावसयिक चिकित्सा में स्नातकोत्तर (एमओटी) (अवधि 2 वर्ष) कार्यक्रम चलाया जाता है। यह पाठ्यक्रम पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अधीन मान्यता प्राप्त है। वर्ष के दौरान शैक्षणिक कार्यक्रम निम्न प्रकार से है:

वर्षनुसार बी.ओ.टी. मे नामाकंन

वर्ष	प्रवेश क्षमता	प्रवेश
2016	51	37
2017	51	46
2018	**51**	**51**

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

- विभाग की विभिन्न इकाईयों द्वारा प्रयोगात्मक, नैदानिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ पूरा किया गया।
- इंटर्न्र्सशीप पोस्टिंग होने के नाते इंटर्न्स को लेप्रोसी मिशन, कोलकाता में भी भेजा गया।
- संस्थान के सुदूरवर्ती अनुभाग में पदस्थापित होने के दौरान इंटर्न्स शिविरों में उपस्थित हुए।

वर्षनुसार एमपीटी मे प्रवेश का विवरण:

वर्ष	प्रवेश क्षमता	प्रवेश
2016	06	05
2017	06	05
2018	**06**	**06**

शैक्षणिक गतिविधियाँ :

- विभागों के विभिन्न इकाईयों में नैदानिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ पूरी की गई।
- संस्थान में विद्यार्थियों ने अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमों में भाग लिया।
- संस्थान के बाह्य सेवा अनुभाग में पद स्थापित होने के दौरान छात्र शिविरों में उपस्थित हुए।
- पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अर्न्तगत संस्थान के संकायों के दिशा निर्देशन में छात्रों ने प्रकरण संचालित किया।
- पाठ्यक्रम करिक्यूलम होने के नाते व्यावसायिक चिकित्सा के स्नातक के छात्रों के लिए अभ्यास शिक्षण संचालित किया

एमओटी छात्रों द्वारा मूल्यांकन उपकरण की प्रस्तुति

- इफेक्ट ऑफ प्रॉप्रियोसेप्टीव ट्रेनिंग ऑन फंक्शनल स्टेटस एण्ड एडीएल इन पेसेंट विद नी आस्टीओआर्थ्राइटस (ओए) वियरिंग एलास्टिक बेंडेजेज।

- इफेक्ट ऑफ काइन्सिओटैपिंग ऑन जेनू रिकरवेटम एण्ड फंक्शनल एम्बुलेशन इन चिल्ड्रेन विद हेमीप्लेजिक सीपी।

- इफेक्ट ऑफ सेन्सरीमोटर ट्रेनिंग कम्बाइन्ड विद एरोबिक एक्सरसाइज प्रेग्राम ऑन क्वालिटी ऑफ लाइफ एण्ड एक्टिविटीज ऑफ डेली लिविंग इन पेसेंट विद क्रोनिक नी आस्टीओआर्थ्राइटस

विभाग द्वारा अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रमः

13 अगस्त 2018 को सीओटीई के एक हिस्से के तौर पर एकदिवसीय
अल्पावधि सम्पूर्ण शरीर कंपन (वाइब्रेशन)

वर्क सिमुलेटर पर एकदिवसीय अल्पावधि कार्यक्रम– 20 नवम्बर 2018 को हाथ के लिए आधारभूत पुनर्वास पद्धति।

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग (पी एण्ड ओ) स्नातक एवं स्नातकोत्तर स्तर के पाठ्यक्रमों में एक प्राकृतिक समीक्षात्मक एवं सृजनात्मक बुद्धि , एवं दिव्यांगजनों की सेवाओं को अति वृहत योगदान देने के लिए उनको प्रेरित करने एवं दिव्यांगजनों को गतिशीलता वाले समाधानों को प्रदान कराते हुए अनुकूल राष्ट्र के विकास में सक्षम वातावरण ज्ञान प्रदान कराने के लिए मानव विकास संसाधन को समर्पित है।

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग (पी एण्ड ओ) दिव्यांगजनों को संस्थान आधारित सेवाएं एवं भारत सरकार की एडिप योजना के अन्तर्गत सुदूरवर्ती सेवाओं के माध्यम से सर्वोत्तम प्रयोगात्मक एवं कृत्रिमता, विशेष रुप से निर्मित सहायता एवं उपकरण को प्रदान करने के लिए पुनर्वास सेवाओं को समर्पित है।

विभाग अनुसंधान गतिविधियों पर केंद्रित है एवं कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग (पी एण्ड ओ) में साक्ष्य आधारित अभ्यास के साथ आधुनिक प्रचलन से अद्यतन है। विभाग उन दिव्यांगजनों को शुल्क लेकर उच्च तकनीक एवं आधुनिक सहायता एवं उपकरण प्रदान करता है जो कि एडिप योजना को उपलब्ध कराने के हकदार नही है।

सेवाएं

पंजीकृत रोगीजन की संख्या	4066
नये रोगीजन	3095
अनुवर्ती रोगीजन	971

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग सेवाएं दिव्यांगजनों के दिन–प्रतिदिन की गतिविधियों को प्रयोगात्मक स्वतंत्रता एवं प्रतिष्ठा को उन्नत करने के लिए प्रयोग किया गया। शैक्षणिक एवं प्रत्यक्ष रोगीजन सेवाओं दोनों के लिए अलग–अलग प्रोस्थेटिक प्रयोगशाला एवं ऑर्थोटिक प्रयोगशाला उपलब्ध है। विभाग की सेवाओं में रोगीजन मूल्यांकन, प्रोस्थेसिस व ऑर्थोसिस के तदनुकूल डिजाइनिंग एवं तदनुकूल फैब्रीकेशन और दिव्यांगजनों के अपेक्षा के अनुसार आधुनिक उपकरण की सहायता से व शीघ्र डिलिवरी प्रदान कर गतिशील उपकरणों के सुधार समाविष्ट है।

विभाग थ्रमोस्टेटीक ओभेन, लो टेम्प्रेचर थ्रमोप्लास्टिक हीट पैन, ओट्टो बॉक राउटर कम डस्ट कलेक्टर, अदर इमपोर्टेड राउटर कम डस्ट कलेक्टर, ग्राइंडिंग मशीन विद डस्ट कलेक्टर, एडजस्टेबल ड्रिलिंग मशीन, शीयरिंग बेल्ट ग्राइंडिंग एवं विभिन्न हस्त उपकरणों जैसे आधुनिक उपकरणों से सुसज्जित है।

प्रदान किये गये सहायक उपकरण :

उपकरणों के अनुसार प्रोस्थेटिक एवं ऑर्थोटिक सेवाएं	2016 - 17	2017 - 18	2018 - 19
लोवर इक्सट्रेमिटी प्रोस्थेसिस	305	285	267
लोवर इक्सट्रेमिटी हाई–टेक प्रोस्थेसिस	03	-	0
अपर इक्सट्रेमिटी प्रोस्थेसिस	60	41	35
लोवर इक्सट्रेमिटी आर्थोसिस	747	986	1411
सर्जीकल शू	393	603	797
अपर इक्सट्रेमिटी आर्थोसिस	67	148	160
स्पाइनल आर्थोसिस	113	110	175
मोबिलिटी एड्स	242		297
उपकरणों की मरम्मत	39	76	135
अपर इक्सट्रेमिटी हाई–टेक प्रोस्थेसिस	-	01	0
कुल	1966	2250	3277

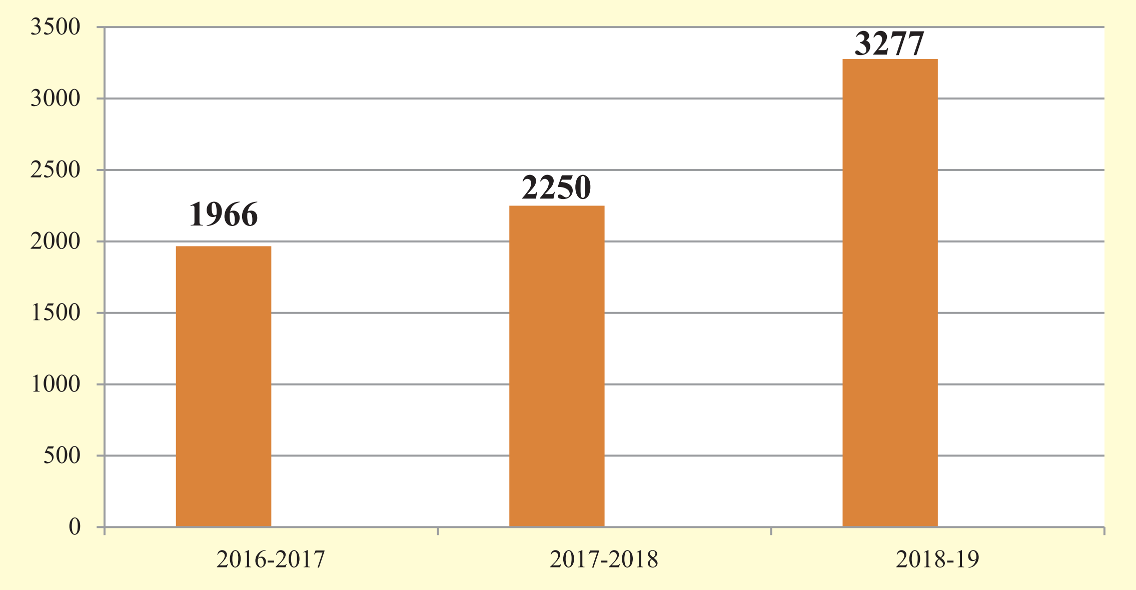

पिछले तीन वर्षों में प्रदान किये गये साधन एवं उपकरण का ग्राफ

पिछले तीन वर्षों के लाभार्थी

लाभार्थियों ने साधन एवं उपकरण प्राप्त किये	2016 -2017	2017 -2018	2018 -19
एडीप के अन्तर्गत	647	938	**821**
भुगतान द्वारा	1077	989	**1516**
कुल	1724	1927	**2337**

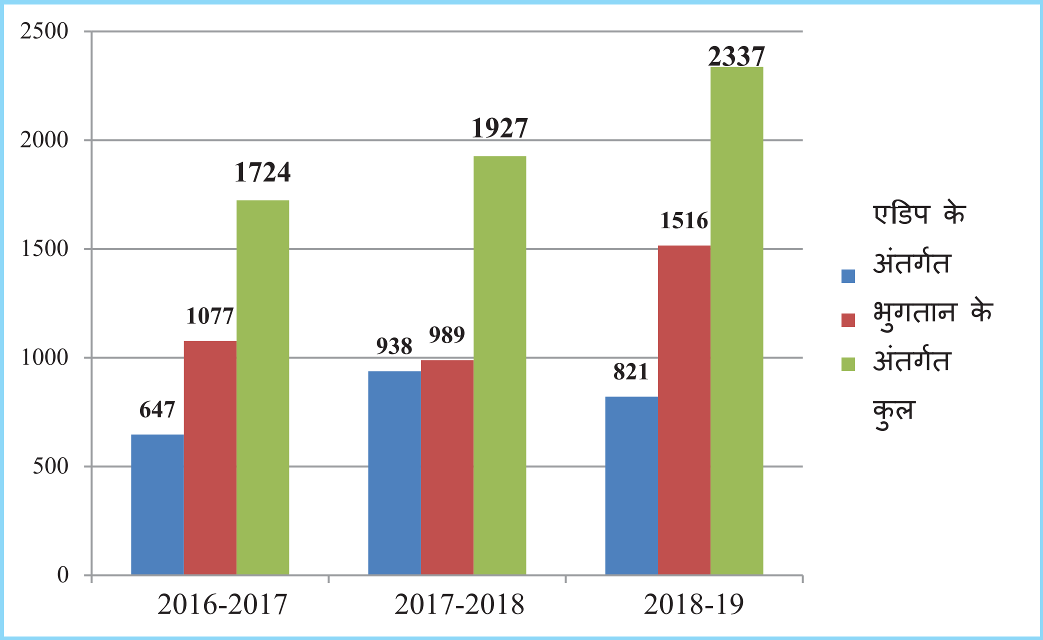

पिछले तीन वर्षों के दौरान लाभार्थियों को प्राप्त साधन एवं उपकरण का ग्राफ

शैक्षणिक गतिविधि:

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग संस्थान में 4½ वर्ष की अवधि वाली प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स में स्नातक (बीपीओ) एवं दो वर्ष की अवधि वाली प्रोस्थेटिक्स एवं ऑर्थोटिक्स में स्नातकोत्तर के पाठ्यक्रम संचालित करता है। इन शैक्षणिक पाठ्यक्रमों को पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय एवं भारतीय पुनर्वास परिषद् (आरसीआई) की मान्यता प्राप्त है।

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग में स्नातक (बीपीओ) पाठ्यक्रम में प्रवेश का विवरण:

वर्ष	प्रवेश क्षमता	प्रवेश
2016 -17	34	30
2017 -18	34	34
2018 -19	34	33

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग में स्नातकोत्तर (एमपीओ) पाठ्यक्रम में प्रवेश के विवरण:

वर्ष	प्रवेश क्षमता	प्रवेश
2016 -17	06	06
2017 -18	06	05
2018 -19	06	04

एमपीओ विद्यार्थियों के द्वारा 2018–2019 का शोध निबंध -

क्र. सं.	विद्यार्थियों के नाम	विषय
1	मंजेश कुमार	ए कम्प्रेटिव स्टडी बिट्विन पटेल्ला टेंडन बियरिंग सुप्रा कॉन्डॉयलर (पीटीबी–एससी) एण्ड टोटल सरफेश बियरिंग (टीएसबी) सॉकेट ऑन एनर्जी एक्सपेंडिचर इन सब्जेक्ट विद ट्रांस–टिबॉयल एम्प्युटीज ऑन टू सरफेश वाकिंग।
2	मृत्युंजय कुमार	ए कम्प्रेटिव स्टडी बियरिंग विलियम ऑर्थोसिस एवं मौल्डेड लुम्बो–सेक्रल ऑर्थोसिस ऑन गैट काइनेटिक्स पैरामिटर्स एण्ड स्लीपपेज इंडेक्श इन सब्जेक्ट विद स्पॉन्डॉयलोलिसथेसिस
3	स्वाति सुचरिता गिरि	ए कम्प्रेटिव स्टडी बिट्विन टू डिफरेंट वैरियेंट्स ऑफ फ्लोर रिएक्शन ऑर्थोसिस ऑन गैट काईन्मैटिक्श एण्ड एक्टीवेशन प्रोफाइल ऑफ क्वाड्रीसेप्स मसल्स इन स्पेस्टीक सीपी विद क्रॉच गैट
4	अर्पिता नायक	इफेक्ट ऑफ कस्टोमाइज्ड इन्सोल ऑन फूट प्रेसर डिस्ट्रीब्यूशन एण्ड गैट काइनेटिक पैरामिटर्स इन सब्जेक्ट विद डॉयबटिक्स न्यूरोपैथी

शैक्षणिक गतिविधियाँ:

1. विभाग में प्रयोगात्मक, नैदानिक एवं शैक्षणिक गतिविधियाँ कराई गई।
2. रा.ग.दि.सं. में बीपीओ के तृतीय वर्ष के विद्यार्थियों को कैड/कैम एवं अन्य आधुनिक उत्पादन प्रक्रिया का प्रशिक्षण प्रदान किया गया।
3. इन्टर्न विद्यार्थियों को 6 महीनों के इन्टर्नशिप की अवधि में कम से कम 30 मामलों में परिस्थिति के बेहतर तालमेल एवं स्वतंत्र रुप से कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग के उपकरणों के निर्माण के लिए रोगियों के साथ प्रत्यक्ष मिलवाया एवं बातचीत करवाया गया।
4. विद्यार्थी उपचारात्मक एवं कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग–ओपीडी के मूल्यांकन में भाग लिये।
5. बीपीओ के चौथे वर्ष के विद्यार्थियों ने उनके पाठ्यक्रम करिक्यूलम का एक हिस्सा होने के नाते संस्थान के संकायों के दिशा–निर्देशन में भारतीय पुनर्वास परिषद् (आरसीआई) के अंतर्गत एक कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग से संबंधित एक परियोजना कार्य तैयार किया।
6. बीपीओ के चौथे वर्ष के विद्यार्थियों ने उनके अध्ययन करिक्यूलम का एक हिस्सा होने के नाते भारतीय पुनर्वास परिषद् द्वारा निर्धारित संस्थान के संकायों के दिशा–निर्देशन में सम्पूर्ण भारत के विभिन्न संस्थानों का परिदर्शन किया ।
7. बीपीओ एवं एमपीओ के **इन्र्टन** छात्रों ने संस्थान के सुदूरवर्ती गतिविधियों में हिस्सा लिया।
8. एमपीओ के विद्यार्थियों ने संस्थान के संकायों के दिशा–निर्देशन में पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविद्यालय के अंतर्गत "शोध–निबंध" संचालित किया।
9. विभिन्न प्रकार के कार्य–पद्धतियों की सहायता लेकर स्मार्ट लर्निंग के माध्यम से बीपीओ एवं एमपीओ के शैक्षणिक पाठ संचालित किये गए।
10. विभिन्न प्रकार के तकनीकों, संघटकों एवं कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग के उपकरणों को कक्षा में पढ़ाई के लिए उपलब्ध कराया गया।
11. एमपीओ के विद्यार्थियों को गेट प्रयोगशाला से अनावृत्त कराया गया एवं विशेष उपकरणों के लिए फोर्स प्लेट का प्रयोग किया गया तथा विद्यार्थियों को आंकड़े इक्कठ्ठा करने की शिक्षा दी गई।
12. एमपीओ के विद्यार्थियों के पाठ्यक्रम करिक्यूलम का एक हिस्सा होने के नाते कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग के विद्यार्थियों को शिक्षा देने के लिए अनावृत्त कराया गया।
13. बीपीओ एवं एमपीओ छात्रों के लिए परिसर में साक्षात्कार संचालित करवाये गये।

बीपीओ के चौथे वर्ष के छात्रों की अध्ययन यात्रा

विभाग द्वारा राष्ट्रीय समारोह का आयोजनः

डॉ. पी.के. लेंका, सहायक आचार्य एवं कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग के प्रधान आईआईटी, गुवाहाटी में दिनांक 10 एवं 11 जनवरी, 2019 को 'दिव्यांगता एवं सामाजिक समावेशन – प्रद्यौगिकी की भूमिका' पर आयोजित दो दिवसीय राष्ट्रीय समारोह के आयोजन सचिव थे। समारोह का उद्घाटन माननीय राज्य मंत्री श्री. कृष्ण पाल गुर्जर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार के द्वारा दिनांक 10 जनवरी, 2019 को किया गया। उद्घाटन के दौरान प्रो. गौतम विश्वास, निदेशक–आईआईटी, गुवाहाटी, डॉ गौरभ गुप्ता, डब्लू एच ओ प्रतिनिधि, डॉ. शक्ति प्रसाद दास, एसवीनिरतार, श्रीमती स्मिथा जयावंत, निदेशक पीडीयूएनआईपीपीडी, श्री हिमांशु दास, निदेशक एन.आई.ई.पी.एम.डी., डॉ. अरुण बनिक, निदेशक, एवाईजेएनआईएसएचडी, प्रो. अनुपम बसु, निदेशक, एनआईआईटी दुर्गापुर जैसे महान हस्तियाँ उपस्थित थे।

माननीय राज्य मंत्री श्री. कृष्ण पाल गुर्जर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार ने दीप प्रज्जवलित कियाद्य कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग के संकायों एवं विद्यार्थियों द्वारा राष्ट्रीय समारोह में निम्न वैज्ञानिक पेपर्स प्रस्तुत किया गया।

1. डॉ. पी.के. लेंका, सहायक आचार्य एवं कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग के प्रधान राष्ट्रीय समारोह में प्रमुख वक्ता थे।
2. अमर नाथ प्रसाद, बीपीओ के छात्र नेः "एन ओपटीमल क्लीनिकल एप्रोच फॉर द बाईलेट्रल ट्रांस्फेमोरल एमप्यूटी विद स्टबीज इनकोरपोरेटिंग मोडीफाइड मैकेनिकल रेस्टींग डिवाइस– ए केस स्टडी" का एक पेपर प्रस्तुत किया।
3. चांदनी पाण्डे, बीपीओ के छात्र नेः "मोडिफाइड एल्बो क्रच फॉर जेरिएट्री पेसन्ट्स विद पिक–अप मेकानिज्म– ए केस स्टडी" का एक पेपर प्रस्तुत किया।

अन्तर्राष्ट्रीय अल्प पाठ्यक्रम

श्री आर्तत्राण पात्रा निर्दशक (ऑर्थोटिक्स) ने 15–18 नवम्बर 2018 को क्रिश्चियन मेडिकल कॉलेज, वेलोर, तामिलनाडू में आयोजित ऑर्थोटिक्स मैनेजमेंट ऑफ आइडिओपैथिक स्कोलीयोसिस पर अन्तर्राष्ट्रीय अल्प पाठ्यक्रम में उपस्थित हुए। पाठ्यक्रम का आयोजन .कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग के अन्तर्राष्ट्रीय संस्थान ने किया

सेरब्रल पाल्सी की भारतीय अकादमी का पूर्व सम्मेलन

कृत्रिम अंग एवं प्रत्यंग विभाग ने 23.11.2018 सेरेब्रल पाल्सी के सहायक उपकरण एवं ऑर्थोटिक्स प्रबंध पर आईएसीपी कॉन–2018 के पूर्व सम्मेलन कार्यशाला को आयोजित किया। कुल सहभागियों की संख्या 160 (सहभागी–140, रिसोर्स पर्सन–6, रोगीजन एवं परिचारक–14)

श्री आर्तत्राण पात्रा निर्दशक (ऑर्थोटिक्स) 12 एमपीओ एवं बीपीओ के छात्रों सहित 24–25 नवम्बर 2018 को कलकत्ता मेडिकल कॉलेज, कोलकाता में भारतीय अकादमी के राष्ट्रीय समारोह सेरेब्रल पाल्सी पर भाग लिये।

कर्मचारी एवं विद्यार्थियों के अन्य गतिविधिः

1. कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने "स्वच्छ भारत अभियान –2018" में भाग लिया।
2. कर्मचारियों एवं विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस के समारोह में भाग लिया।
3. विद्यार्थियों ने विभिन्न शैक्षणिक एवं सांस्कृतिक कार्यक्रमों में भाग लिया
4. एमपीओ के विद्यार्थियों ने अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगजन दिवस को संध्या के समय आयोजित फेट में भाग लिया।

सामाजिक आर्थिक पुनर्वास विभाग

विभाग संस्थान एवं सुदूरवर्ती क्षेत्रों में शिक्षण, प्रशिक्षण एवं पुनर्वास की सेवाएं प्रदान कराता है। विभाग के अंतर्गत निम्नलिखित इकाईयां हैः

क) सामाजिक कल्याण
ख) व्यवसायिक परामर्श, मार्गदर्शन एवं नियोजन
ग) सेवा विस्तार
घ) क्लीनिकल साइकोलॉजी
ङ) विशेष शिक्षा
च) संचार

यह विभाग जहां एक ओर अंतः रोगी विभाग, बाह्य रोगी विभाग एवं सुदूरवर्ती सेवा के माध्यम से दिव्यांगजनों को सामाजिक आर्थिक पुनर्वास करती हैं वही दूसरी ओर देश के अगम्य क्षेत्रों के दिव्यांगजनों को पुनर्वास की सेवाएं हेतु समुदाय आधारित पुनर्वास सेवा को सक्रिय किया हैं।

इस वर्ष के दौरान उप इकाईयों द्वारा प्रदान की गई सेवाओं के प्रकारः

सेवाएं		2017 -18	2018 -19
1.	सामाजिक मूल्यांकन एवं सरलीकरण सेवा	4630	3599
2.	व्यावसायिक परामर्श और मार्गदर्शन	1429	1330
3.	क्लीनिकल मनोविज्ञान	1703	1478
4.	विशेष शिक्षा	897	1373
5.	नियोजन सेवाएं	17	18

ओपीडी में दिव्यांगजनों का सामाजिक मूल्यांकन एवं काउंसलिंग

दिव्यांगजनों को रेलवे रियायत प्रमाणपत्र जारी करते हुए

बी एस डब्लू एवं एम एस डब्लू के छात्र उनके नियोजन कार्य क्षेत्र के दौरान विभाग में

विशेष जरूरतमंद बच्चों का मनोवैज्ञानिक एवं शैक्षणिक मूल्यांकन

दिव्यांगता पुनर्वास के क्षेत्र में विभाग प्रशिक्षित पेशेवरों के सृजन के लिए दीर्घकालिक और अल्पकालिक पाठ्यक्रमों का संचालन करता हैं :

- दिव्यांगता पुनर्वास एवं प्रबंधन (पी.जी.डी.डी.आर.एम) में एकवर्षीय स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पश्चिम बंगाल स्वास्थ्य विज्ञान विश्वविधालय, कोलकाता द्वारा मान्यता प्राप्त)
- सीआरई एवं अल्पावधि प्रशिक्षण कार्यक्रम

वर्ष 2018–19 के दौरान विभिन्न शैक्षणिक संस्थानों से आगत छात्रों का विवरण

विश्वविधालय एवं संस्थान के नाम	विद्यार्थियों एवं आगंतुकों की संख्या	दिनांक	उद्देश्य
मध्यमग्राम बी. एड. कॉलेज	विद्यार्थी (एम.एकृ) –50 सदस्य–01	05.04.18	भ्रमण
लीगल एड्स सर्विस, पश्चिम बंगाल	विद्यार्थी (पी.जी.डी.सी.सी.) –50 सदस्य–01	09.04.18	अभिविन्यास भ्रमण
जॉर्ज कॉलेज	विद्यार्थी (बी.एड. 4 सिमेस्टर)–30 संकाय सदस्य –01	13.04.18	अभिविन्यास भ्रमण
बिरेंद्रनाथ शश्मल प्राईमरी शिक्षक प्रशिक्षण संस्थान विद्यासागर विश्वविद्यालय का मान्यता प्राप्त	विद्यार्थी (बी.एड.)–30 संकाय सदस्य–01	17.04.18	अभिविन्यास भ्रमण
विद्यासागर स्कूल ऑफ सोशल वर्क अंडर विद्यासागर विश्वविद्यालय	विद्यार्थी (बीएसडब्लू–I एवं एमएसडब्लू–I)– 98 संकाय –01	10.08.2018	अभिविन्यास भ्रमण
दिल्ली पब्लिक स्कूल, उत्तर कोलकाता	विद्यार्थी (कक्षा 7)– 10 संकाय–01	30.08.2018	जागरूकता परियोजना
विद्यासागर स्मृति मंदिर (विशेष अध्ययन केंद्र), इग्नू	विद्यार्थी (बीएसडब्लू प्रथम वर्ष)–06	14.09.2018	अभिविन्यास भ्रमण
रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय	विद्यार्थी (एमएसडब्लू द्वितीय भाग)–50 संकाय –02	19-11-2018	अभिविन्यास भ्रमण
रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय	बी.एकृ विशेष शिक्षा (6)–20 संकाय –02	26-11-2018	अभिविन्यास भ्रमण
पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ	बी.एकृ विशेष शिक्षा (लर्नींग दिव्यांगता)–20 संकाय –02	30-11-2018	अभिविन्यास भ्रमण
एवाईजेएनआईएसएचडी, क्षेत्रिय केंद्र, कोलकाता	विद्यार्थी (डी.एड.विशेष शिक्षा (एचआई) एवं बी.एकृ विशेष शिक्षा (एचआई) –29 संकाय–01	02-01-2019	अभिविन्यास भ्रमण
स्कोटीस चर्च कॉलेज, कोलकाता	विद्यार्थी (बी.एड. 4 सिमेस्टर)–46 संकाय–01	19.02.2019	अभिविन्यास भ्रमण
मध्यमग्राम बी. एड. कॉलेज, कोलकाता	विद्यार्थी (एम.एड.)–23 संकाय–01	05.03.2019	अभिविन्यास भ्रमण
श्री चौतन्य महाविद्यालय, उत्तर चौबीस परगना	विद्यार्थी (बी.एससी ओर्नस इन एचडी)–03 संकाय–01	18.03.2019	अभिविन्यास भ्रमण
बिजय कृष्णा गर्ल्स कॉलेज, हावड़ा	विद्यार्थी (बी.एड.)–40 संकाय–03	27.03.2019	अभिविन्यास भ्रमण
आलिया विश्वविद्यालय, कोलकाता	विद्यार्थी (बी.एड.)–90 संकाय–01	28.03.2019	अभिविन्यास भ्रमण

डी.एड. वि.शि (एचआई):–डी.एड.विशेष शिक्षा (श्रवण दोष), बी.एड.विशेष शिक्षा (एचआई):–बी.एड.विशेष शिक्षा (श्रवण दोष), बी.एड.विशेष शिक्षा (एल.डी)– बी.एड.विशेष शिक्षा (लर्निंग दिव्यांगता), बीएसडब्लू– सोशल वर्क में स्नातक– बैचलर ऑफ एजुकेशन, बी.एससी (एच.डी)–मानव विकास विज्ञान में स्नातक, पीजीडीजीसी–पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा इन गाइडेंस एण्ड काउंसलिंग, एम.एड–मास्टर ऑफ एजुकेशन एण्ड एमएसडब्लू–मास्टर ऑफ सोशल वर्क।

विशेष शिक्षा में बी.एड (छठा) रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय से रा.ग.दि.सं. कोलकाता भ्रमण

पीजीडीसीसी विद्यार्थी लासवेब रा.ग.दि.सं. कोलकाता भ्रमण

पंजाब विश्वविद्यालय, चंडीगढ़ से बी.एड.विशेष शिक्षा (लर्निंग दिव्यांगता) विद्यार्थियों का रा.ग.दि.सं., कोलकाता भ्रमण

रवीन्द्र भारती विश्वविद्यालय से एमएसडब्लू विद्यार्थियों का रा.ग.दि.सं., कोलकाता भ्रमण

वर्ष के दौरान विभाग में विद्यार्थियों का नियोजनः

पाठ्यक्रम	विद्यार्थियों की सं.	अवधि	प्रयोगात्मक सहित कार्यक्षेत्र नियोजन	विश्व विद्यालय/संस्थान
सोशल वर्क में स्नातक डिग्री (बीएसडब्लू सेमेस्टर . 1 एवं 4)	02	01-03-18 से 10-05-18	ब्लॉक नियोजन	विद्यासागर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, विद्यासागर विश्वविद्यालय
एम.एससी. नर्सिंग	08	16-04-18से 31-05-18	सा.आ.पु. ओपीडी गतिविधियाँ	रा.ग.दि.सं.
एम.एससी. नर्सिंग	05	10.05.2018	सा.आ.पु. ओपीडी गतिविधियाँ	गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ नर्सिंग, बर्द्धवान
सोशल वर्क में स्नातक (बीएसडब्लू–प्रथम वर्ष)	02	08-10-18 से 19-11-18	समवर्ती क्षेत्र कार्य	विद्यासागर स्मृति मंदिर (विशेष अध्ययन केंद्र), इग्नू
सोशल वर्क में स्नातक (बीएसडब्लू–सिमेस्टर 1)	02	31-10-18 से 30-11-18	ब्लॉक नियोजन	विद्यासागर स्कूल ऑफ सोशल वर्क, विद्यासागर विश्वविद्यालय
एम.एससी नर्सिंग (प्रथम वर्ष)	06	01-12-18 से 31-12-2018	आ.पु.सं. ओपीडी गतिविधियाँ	रा.ग.दि.सं.
पीजीडीडीआरएम (2018–19)	15	01-12-18 to 31-03-2019	प्रयोगात्मक	रा.ग.दि.सं.
पीएचडी स्कालर	01	24-01-19 to 23-04-19	अनुसंधान कार्य का आंकड़ा संग्रह	अंतर्राष्ट्रीय जनसंख्या विज्ञान संस्थान (आईआईपीएस), डिम्ड यूनिवर्सिटी
सोशल वर्क में स्नातकोत्तर (एमएसडब्लू भाग–2)	04	28-01-19 से 26-03-19	समवर्ती क्षेत्र कार्य	रवीन्द्रभारती विश्वविद्यालय

सामाजिक कल्याण विभाग, पश्चिम बंगाल सरकार द्वारा आयोजित रोजगार मेला में पीजीडीडीआरएम विद्यार्थी भाग लेते हुए।

अंतर्राष्ट्रीय दिव्यांगता दिवस, 2018 को दिव्यांगता जागरूकता क्विज प्रतियोगिता एवं साईट तथा ड्रॉ प्रतियोगिता

दिनांक **9 से 11 नवम्बर,** 2018 को, नई दिल्ली में दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय का अंतर्राष्ट्रीय पुनर्वास कोरिया एवं उसके संबद्ध एलजी इलेक्ट्रोनिक्स के सहभागी द्वारा **"ग्लोबल आईटी चैलेंज फॉर यूथ विद डिसएविलिट 2018"** का तीन दिवसीय प्रतियोगिता आयोजिक किया गया।

भारत को कुल तीन पुरस्कार मिले जिसमें से श्री. सौरव कुमार सिन्हा ने "सुपर चौलेंजर अवार्ड" जीता।

पूर्वोत्तर क्षेत्र प्रशिक्षण कार्यक्रम/कार्यशाला/संगोष्ठियों का संक्षिप्त विवरण

1) **संगोष्ठी: "संचार एवं दिव्यांगता"**
दिनांक: 28 मई, 2018
स्थान: एनईडीएफआई, गुवाहाटी, असम

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन, कोलकाता द्वारा "संचार एवं दिव्यांगता" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में 40 सरकारी कर्मचारियों, संचार अनुभवी एवं अकादमीशियन शामिल हुए। सहभागियों को दिव्यांगजनों के जागरूकता एवं पुनर्वास तथा सरकारी सुविधाओं के बारें में सूचना एवं दिव्यांगजनों के हित के लिए इस कार्यक्रम को महत्वपूर्ण इनपूट्स दी जा चूकी है।

2) संगोष्ठीः "दिव्यांगताः मानव संसाधन को विकासशील बनाना एवं रुकावटों को दूर करना।
दिनांकः 5 जुलाई, 2018
स्थानः प्रेक्षागृह मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा सोशल वर्क विभाग, मिजोरम विश्वविद्यालय के सहयोग से "दिव्यांगताः मानव संसाधन को विकासशील बनाना एवं रुकावटों को दूर करने" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन दिनांक 5 जुलाई, 2018 को मिजोरम विश्वविद्यालय, मिजोरम में किया गया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन मिजोरम राज्य के माननीय मुख्यमंत्री श्री. पु लाल थनहवला ने माननीय राज्य मंत्री श्री कृष्ण पाल गुर्जर, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, प्रो. के आर एस शांबाशिवा राव, मिजोरम विश्वविद्यालय के उपकुलपति, श्रीमती डॉली चक्रवर्ती, संयुक्त सचिव, दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग, सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार, श्रीमती के. वन्लालरावनी, सचिव, सामाजिक कल्याण विभाग, मिजोरम सरकार, डॉ. लालनूथारा, दिव्यांगजन कमिशनर मिजोरम सरकार एवं डॉ. ए. विश्वास, निदेशक, रा.ग.दि.सं., कोलकाता की उपस्थिति में किया। इस संगोष्ठी में सोशल वर्क विद्यार्थी, सोशल वर्क प्रैक्टिशनर्स, अकादमिशियंस एवं गैर–सरकारी संगठनों के कार्यकर्ताओं संबंधित 70 लोगों ने भाग लिया था।

3) **संगोष्ठीः "संचार एवं दिव्यांगता"**
दिनांकः 31 जुलाई, 2018
स्थानः प्रेक्षागृह रा.ग.दि.सं., कोलकाता

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा 31 जुलाई, 2018 को रा.ग.दि.सं. कोलकाता में "संचार एवं दिव्यांगता" पर एक दिवसीय संगोष्ठी का आयोजन किया गया। इस संगोष्ठी का उद्घाटन डॉ. ए. विश्वास, निदेशक, रा.ग.दि.सं., कोलकाता द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सराकारी कर्माचारियों, संचार प्रोफेशनल्स एवं अकादमिशियन जैसे 27 लोगों ने भाग लिया। सहभागियों को दिव्यांगजनों के जागरूकता एवं पुनर्वास तथा सरकारी सुविधाओं के बारें में सूचना एवं दिव्यांगजनों के हित के लिए इस कार्यक्रम में महत्वपूर्ण जानकारियाँ दी गयी।

4) **जागरूकता कार्यक्रमः "दिव्यांगजन अधिकार, अधिनियम"**

दिनांकः 25 सितम्बर, 2018

स्थानः हिंगलगंज क्म्युनिटी हॉल, सुन्दरवन, उत्तर 24 परगना

जागरूकता कार्यक्रमः, दिनांकः 25 सितम्बर, 2018

स्थानः हिंगलगंज क्म्यूनिटी हॉल, सुन्दरवन, उत्तर 24 परगना

दिनांक 25 सितम्बर, 2018 को "दिव्यांगजन अधिकार अधिनियम, 2016" पर एक दिवसीय जागरूकता कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा बरूनहाटी साथी, हसनाबाद, उत्तर चौबीस परगना के सहयोग से आयोजित किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन स्वामी देबब्रत नन्दजी महाराज, सुंदेलेरबील रामकृष्णा संस्थान, हिंगलगंज, उत्तर 24 परगना के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सक्रिय रुप से कुल 104 लोगों ने भाग लिया।

जागरुकता कार्यक्रमः समुदाय आधारित पुनर्वास एवं दिव्यांगजनों को मुख्यधारा में लाना

दिनांकः 20 नवम्बर, 2018

स्थान : सीबीआर प्रोजेक्ट एरिया, रेक्जॉनी हॉस्पीटल, राजरहाट ब्लॉक, उत्तर 24 परगना

दिनांक 20 नवम्बर, 2018 को सीबीआर प्रोजेक्ट एरिया, रेक्जॉनी हॉस्पीटल, राजरहाट ब्लॉक, उत्तर 24 परगना में "दिव्यांगजन का समुदाय आधारित पुनर्वास एवं मुख्य विषय" पर जागरूकता का एक दिवसीय कार्यक्रम किया गया। इस कार्यक्रम का आयोजन राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम का उद्घाटन डॉ. ए. विश्वास, निदेशक, रा.ग.दि.सं., कोलकाता द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में सरकारी कर्मचारियों, बीडीओ, पंचायत प्रधान, समिति सदस्यों, समुदाय स्तर के स्वास्थ्य कार्यकर्ता, स्थानीय गैर–सरकारी संगठनों से कुल 135 लोगों ने भाग लिया था।

5) कार्यशालाः "समुदाय आधारित दृष्टीकोण से दिव्यांगजन सशक्तिकरण"

दिनांकः 5 दिसम्बर, 2018
स्थानः इम्फाल, मणिपुर

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा स्पास्टिक सोसाइटी ऑफ इम्फाल, मणिपुर के सहयोग से दिनांक 5 दिसम्बर, 2018 को "संमुदाय आधारित दृष्टीकोण से दिव्यांगजन सशक्तिकरण" पर एक दिवसीय कार्याशाला का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में सीबीआर प्रोजेक्ट स्टॉफ, समुदाय कार्यकर्ताओं, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं, स्वास्थ्य कार्यकर्ताओं, माता–पिता, देखभालकर्ता एवं गैर–सरकारी संगठनों के प्रतिनिधियों सहित कुल 112 लोग उपस्थित थे। इस कार्यशाला ने समुदायिक कार्यकर्ताओं को मानव शक्ति का प्रशिक्षण एवं सहभागियों को दिव्यांगजनों हेतु सरकारी सुविधाओं के बारें में सूचना एवं बहुमुल्य जानकारियाँ दी गयी।

6) सीआरई कार्यक्रमः "समुदाय आधारित पुनर्वास"

दिनांकः 19 से 21 दिसम्बर, 2018
स्थानः सम्मेलन हॉल, रा.ग.दि.सं., कोलकाता

दिनांक 19 से 21 नवम्बर, 2018 को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा "समुदाय आधारित पुनर्वास" पर एक तीन दिवसीय कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन प्रो. बिष्णुपदा नन्द, विभागाध्यक्ष, शिक्षा विभाग, जादवपूर यूनिवर्सिटी के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष शिक्षक, थेरपिस्ट, पुनर्वास सामाजिक कार्यकर्ताओं, पीजीडीडीआरएम विद्यार्थियों एवं देखभाल करने वाले कुल 50 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम ने बेहतर कार्यान्वयन एवं विशेष आवश्यकता वाले बच्चों के अभ्यास की तरफ समुदाय आधारित पुनर्वास के मामलों एवं चुनौतियों के सम्बन्ध में बहुमुल्य जानकारियाँ प्रदान की।

7) सीआरई कार्यक्रमः "मनोवैज्ञानिक पहलूओं में विकासशील दिव्यांगता के तालमेल, निर्धारण एवं प्रबंधन का महत्व"
दिनांकः 6 से 8 मार्च, 2019
स्थानः सम्मेलन हॉल, रा.ग.दि.सं., कोलकाता

दिनांक 6 से 8 मार्च, 2019 को राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा मनोवैज्ञानिक पहलूओं में विकासशील दिव्यांगता के तालमेल, निर्धारण एवं प्रबंधन के महत्व पर एक तीन दिवसीय पुनर्वास शिक्षा कार्यक्रम का आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम का उद्‌घाटन डॉ. ए. विश्वास, निदेशक, रा.ग.दि.सं.,कोलकाता के द्वारा किया गया। इस कार्यक्रम में विशेष रुप से क्लीनिकल साइकोलॉजिस्ट, पुनर्वास साइकोलॉजिस्ट, पुनर्वास काउन्सलर एवं पीजीडीडीआरएम विद्यार्थियों समेत 50 लोगों ने भाग लिया। इस कार्यक्रम में विभिन्न विकासशील स्तरों पर दिव्यांगजनों के मामलों, चुनौतियों एवं आवश्यकताओं के बारें में वर्णन किय गया।

दिव्यांगजनों के लिए समुदाय आधारित पुनर्वास सेवाएं

राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा पुनर्वास सेवाओं को प्रदान करने के लिए समुदाय आधारित पुनर्वास परियोजना का पहल किया गया जिसमें शहरी साथ ही साथ ग्रामीण यहां तक कि दूरदराज के क्षेत्रों में जैसे अगम्य स्थानों तक पहुंचने पर जोर दिया गया।

समुदाय आधारित पुनर्वास परियोजना राष्ट्रीय गतिशील दिव्यांगजन संस्थान, कोलकाता द्वारा इम्फाल में स्पास्टिक सोसाईटी ऑफ मणिपुर के साथ राजरहाट (पश्चिम बंगाल) के सहयोग से आरंभ किया गया जो कि रा.ग.दि.सं. के प्रत्यक्ष देखरेख में कार्यशील है।

प्रोजेक्ट साईट– पश्चिम इम्फाल, मणिपुर एवं राजरहाट, पश्चिम बंगाल

1. उत्तर 24 परगना जिला का राजरहाट ब्लॉक के अंतर्गत पाँच ग्राम पंचायत सम्मिलित है। राजरहाट एक समुदाय विकासशील ब्लॉक है जो कि उत्तर 24 परगना जिला के बारासात उपखंड को एक प्रशासनिक खंड बनाता है।

2. पश्चिम इम्फाल जिला, मणिपुर घाटी क्षेत्र के अंतर्गत आता है। इम्फाल इस जिला का प्रमुख कार्यात्मक केन्द्र है। परियोजना क्षेत्र वंगोई उपखंड पश्चिम इम्फाल जिला के अंतर्गत आता है।

परियोजना के रुपरेखा का संक्षेप (राजरहाट)

- लक्ष्य क्षेत्र . राजरहाट
- परियोजना का कुल क्षेत्रफल – वर्ग कि.मी. 72.90 स्कावय कि.मी.
- जी.पी. की संख्या:– 5
- कुल अभिज्ञात दिव्यांगजनों की संख्या - 1287
- कुल जनसंख्या : 189,893 ;पुरुषः 97,623 एवं महिलाः 92,270)
- कुल परिवारों की संख्या रू 834

परियोजना के रुपरेखा का संक्षेप (मणिपुर)

- लक्ष्य क्षेत्र - वंगोई
- कुल क्षेत्रफल : – 178 वर्ग कि.मी.
- जी.पी. की संख्या:– 5
- समुदाय की संख्याः 35
- कुल अभिज्ञात दिव्यांगजनों की संख्या.469
- कुल जनसंख्या : 76,510

दिव्यांगजनों को समुदाय आधारित पुनर्वास परियोजना के माध्यम से पुनर्वास सेवाएं प्रदान करने के उद्देश्य से दिव्यांगजनों का एवं परिशुद्धता के साथ उनकी आवश्यकताओं को अभिज्ञात करने के लिए एक व्यापक डोर टू डोर फील्ड सर्वे का संचालन किया गया। कुल अभिज्ञात दिव्यांगजनों की संख्या क्रमशः 1287 (पुरुष – 804, महिला– 483) एवं 469 (पुरुष –268, महिला –201) क्रमशः

समुदाय स्तर पर मैनपावर का सृजन करने के लिए संसाधन विकास के साथ सीबीआर परियोजना के सम्पर्क में एक संवेदीकरण एवं जागरूकता कार्यक्रम का संचालन किया गया। इस संबंध में विभिन्न कार्यशाला/संगोष्ठी/प्रशिक्षण कार्यक्रम को मूलभूत स्तर पर संचालित किया गया । कुल लाभार्थियों की संख्या 250 थी।

समुदाय आधारित पुनर्वास में एक युक्ति व्यवधान का हिस्सा होने के नाते, सीबीआर परियोजना कर्मचारियों ने निर्धारण शिविर में भाग लिया। लाभार्थियों को इन शिविरों के द्वारा विभिन्न सीबीआर परियोजना क्षेत्रों के स्थानों तक पुनर्वास सेवाएं प्रदान किया गया। इसमें लाभार्थियों की कुल संख्या 390 है।

दिव्यांगजनों को प्रदत्त सेवाएं-

	दिव्यांगता प्रमाणपत्र जारी किए गए	**277**
	दिव्यांगता पेंशन के लिए नामांकन	**3**
	ई–रिक्शा के लिए बैंक लोन	**6**
	विद्यालय में विद्यार्थियों का नामांकन	**52**
	विद्यार्थियों को छात्रवृत्ति का लाभ	**10**
	केयर गिवर लाभार्थी	**156**
	स्वास्थ्य स्मार्ट कार्ड	**319**
	सहायक उपकरण	**7**

- दिव्यांगजनों को सुविधाएं प्रदान कराने के लिए विभिन्न स्थानों पर सीबीआर परियोजना के अंतर्गत दिव्यांगजन संगठनों का निर्माण किया गया। कुल समूहों की संख्या 15 है।
- दोनों परियोजना क्षेत्रों पर सुचारु रुप से कार्य करने के लिए समय–समय पर समुदाय स्तर पर विभिन्न भागीदारों के साथ बैठक की गई। कुल बैठकों की संख्या- 37
- उन दिव्यांगजनों को महत्व देना इस परियोजना की एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है जिन्होंने मणिपुर में जिला स्तर पर खेलो इण्डिया खेल में भाग लिया था। कुल प्रतिभागियों की संख्या - 30